Nai Dunia (Indore), 29th December 2021, Page-2

कोरोना का प्रभाव

आइआइटी, आइआइएम, एसजीएसआइटीएस सहित शहर के कई संस्थान कर रहे बदलाव

शिक्षण संस्थान तैयार कर रहे ई-कंटेंट, कई कंपनियों से समझौता

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना महामारी के चलते पठन-पाठन के तरीके में कई तरह के बदलाव हुए हैं। लाकडाउन के कारण विद्यार्थी और शिक्षक घर से नहीं निकल पाए। किताबों का भी संकट रहा। इस परेशानी को दूर करने के लिए दो वर्ष से शिक्षण संस्थान कोशिश कर रहे हैं कि ज्यादातर किताबें आनलाइन उपलब्ध हो जाएं, ताकि आसानी से आदान-प्रदान हो सके। कई कोशिशों के बाद अब ज्यादातर पाठ्य सामग्री आनलाइन हो गई है।

आइआइटी इंदौर और आइआइएम इंदौर सहित शहरभर के कालेज ई-कंटेंट तैयार करने पर जोर दे रहे हैं। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने भी कई कंपनियों से समझौता किया है जिसके चलते लाइब्रेरी में भी किताबें अब कंप्यूटर पर पढ़ी जा सकती हैं। संस्थानों ने विद्यार्थियों को किताबें और जर्नल पढ़ने के लिए आइडी और पासवर्ड दे दिए हैं। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पास

2 लाख किताबें ई-कंटेंट में देवी अहिल्या विवि के पास

1.08 लाख किताबें ई-कंटेंट में एसजीएसआइटीएस के पास

दो लाख से ज्यादा किताबें ई-कंटेंट में उपलब्ध हैं। एसजीएसआइटीएस के पास एक लाख आठ हजार किताबें ई-कंटेंट में मौजूद है। संस्थान का 10 से ज्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल के साथ समझौता है। एसजीएसआइटीएस के पुस्तकालय प्रमुख प्रो. एमपीएस चावला का कहना है कि ई-लाइब्रेरी में कौन सा कंटेंट होना चाहिए और इसके साफ्टवेयर को किस तरह से संचालित करना है, इसकी ट्रेनिंग शिक्षकों और विद्यार्थियों को दी जाती है।

किताबों के बाजार पर भी असर

शहर के सबसे बड़े किताबों के बाजार खजूरी बाजार के दुकानदारों का कहना है कि पहले इंदौर और आसपास के क्षेत्रों से काफी विद्यार्थी किताबें खरीदने आते थे, लेकिन कोरोना महामारी के कारण दो वर्ष से यह संख्या काफी कम हो गई है। ज्यादातर स्कूली शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबों की बिक्री हो रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं के विशेषज्ञ ओपी तिवारी का कहना है कि प्रतियोगी और भर्ती परीक्षा कराने वाले प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड (पीईबी) ने भी अपनी वेबसाइट पर विद्यार्थियों के लिए ई-कंटेंट उपलब्ध कराना शुरू किया है। यहां भी पुराने वर्षों में पूछे गए प्रश्न पत्रों के साथ विभिन्न परीक्षाओं में पढ़े जाने वाले प्रमुख विषयों के कंटेंट पीडीएफ फाइल में दिए गए हैं। बैंक, रेलवे, पुलिस और अन्य भर्ती परीक्षाओं के कंटेंट भी अब इंटरनेट मीडिया से एक-दूसरे को पहुंचाए जाने लगे हैं।

एसजीएसआइटीएस भी तैयार कर रहा अपना साफ्टवेयर

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआइटीएस) ने कोरोना संक्रमण की बढ़ती संख्या को देखते हुए अपनी ज्यादातर कक्षाओं का संचालन आनलाइन कर दिया है। कुछ दिन पहले ही संस्थान ने फिर से कुछ कोर्सेस की कक्षाएं आफलाइन कराने का निर्णय लिया था, लेकिन संक्रमण बढ़ने के बाद इस निर्णय को वापस लेना पड़ा था। अब संस्थान अपनी आइटी टीम से आनलाइन कक्षाओं के संचालन के लिए खुद का साफ्टवेयर तैयार करा रहा है ताकि संस्थान अपने हिसाब से आनलाइन कक्षाओं का संचालन कर सके और उसे और सुविधाजनक बना सके। अब तक संस्थान प्राइवेट कंपनियों

कोरोना संक्रमतों की संख्या बढ़ने से संस्थान की ज्यादातर कक्षाएं संचालित होने लगीं आनलाइन

के साफ्टवेयर का उपयोग करता रहा है। नए साफ्टवेयर में विद्यार्थियों के लिए कई तरह की सुविधाएं दी जाएंगी। इससे पुराने समय के लेक्चर को भी आसानी से विद्यार्थी देख सकेंगे। संस्थान के निदेशक प्रो. राकेश सक्सेना का कहना है कि तकनीकी संस्थान होने के नाते हम और मजबूत सिस्टम बना सकते हैं। कोरोना संक्रमण की संख्या अगर बढ़ता है तो शिक्षकों को भी घर से ही आनलाइन कक्षा लेने की अनुमति दी जाएगी।